

हो हो बालाजी किसान हो गया चाला हो बालाजी भजन



हो हो बालाजी किसान,
हो गया चाला हो,
दुख चिंता में काया जली,
रंग हो गया काला हो,
हों हो बालाजी किसान,
हो गया चाला हो।

उठण दे ना बिल्कुल बाबा,
गेरै राखः खाट में,
चालण जोगी छोडः कोनया,
तोड़े जा स गात ने,
हद तं ज्यादा मैं सताई,
भुतां की बारात ने,
चौबीस घंटे रह साथ में,
ना करते टाला हो,
हों हो बालाजी किसान,
हो गया चाला हो।

कई कई भुत बाबा मेरे,
भीतर बोले जां सं हो,
एक घड़ी भी चैन कोनया,
समसाणां में डोलें जां,
सोवण दे ना बालाजी मेरी,
गैल्यां आखर तोलें जां,
दिन और रात बोलें जां,
तेरी जान का गाला हो,
हों हो बालाजी किसान,
हो गया चाला हो।

एक भुतणी कह मन्नै त,
मैं सुं काली माई हो,
तेरे दर प राजी हो क,
कलकते तं आई हो,
पुड़े गुलगले बणा खवादे,
गैल चुगानण ल्याई हो,
राजपाल ने राह दिखाई,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के सीधे अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

हों हो बालाजी किसान,
हो गया चाला हो।



मेरा बाबा रोग काट दे,
तेरी जोत जगाऊँगी,
देशी घी में तेरी बाबा,
सवामणी भी लाऊँगी,
कौशिक ने बुला क बाबा,
कीर्तन भी करवाऊँगी,
गाम समाल में बिल्लु शर्मा,
तेरी जपता माला हो,
हों हो बालाजी किसान,
हो गया चाला हो।

हो हो बालाजी किसान,
हो गया चाला हो,
दुख चिंता में काया जली,
रंग हो गया काला हो,
हों हो बालाजी किसान,
हो गया चाला हो।

गायक – नरेन्द्र कौशिक ।
भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)